आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 26.08.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रगति मंच की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा– परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के साथ गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।
2. पूरे देश के साथ आज द्वीपसमूह में भी मिलाद–उन–नबी और ओणम का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।
3. जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में विकासीय परियोजनाओं की समीक्षा की गई।
4. 'जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज' अभियान के तहत अंडमान लॉ कॉलेज में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ में प्रगति मंच की तिरपनवीं बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि बड़ी परिवहन और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाते समय, जहां संभव हो, बिजली, पानी और अन्य सेवाओं के लिए साझा गलियारे विकसित किए जाने चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के साथ गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने आधुनिक तकनीक, बेहतर निगरानी और केंद्र–राज्य के बीच मजबूत समन्वय पर जोर दिया। बैठक में नौ राज्यों से जुड़ी हुई रेलवे, सड़क और बिजली क्षेत्र की छह प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिनकी इनकी कुल लागत तीस हजार करोड़ रुपये से अधिक है। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र के डिजिटल डेटा प्लेटफॉर्म एग्रीस्टैक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीक के बेहतर इस्तेमाल की बात कही, ताकि किसानों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। वहीं, साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों पर प्रधानमंत्री ने जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने पर जोर दिया। विशेषकर, वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं को साइबर ठगी से बचाने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया।

<><><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ईद–ए–मिलाद–उन–नबी के अवसर पर लोगों को बधाई दी है। अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि ईद–ए–मिलाद–उन–नबी पैगंबर मुहम्मद साहब के उपदेशों को याद करने का अवसर है। राष्ट्रपति ने कहा कि पैगंबर की शिक्षाएं नागरिकों को धार्मिक आचरण और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। द्वीपों के उप–राज्यपाल सेवानिवृत्त एडमिरल डी के जोशी ने भी द्वीपवासियों को मिलाद–उन–नबी के अवसर पर, अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पवित्र अवसर, पैगंबर मोहम्मद के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है, जो हमें शांति, करुणा, दयालुता और सहनशीलता के उनके कालातीत संदेश की याद दिलाता है। पैगंबर का अनुकरणीय जीवन और स्थायी शिक्षाएं मानवता को इन शाश्वत मूल्यों को बनाए रखने और मानव सेवा के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। सांसद बिष्णु पद रे ने भी मिलाद–उन–नबी के अवसर पर द्वीपवासियों को शुभकामनाएं दी है।

<><><><><><><><>

पूरे देश के साथ आज द्वीपसमूह में भी ओणम का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर उप–राज्यपाल सेवानिवृत्त एडमिरल डी के जोशी ने द्वीपवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि ओणम, केरल का फसल उत्सव, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, एकता, समृद्धि और भाईचारा का प्रतीक है। रंग–बिरंगी पूकलम, पारंपरिक उत्सव और ओनम सद्या की भावना केरल की सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। उप–राज्यपाल ने कहा कि यह त्योहार हमें राजा महाबली के पौराणिक शासनकाल से जुड़े समानता, न्याय, सद्भाव और जन–कल्याण के आदर्शों की भी याद दिलाता है। द्वीपों के सांसद बिष्णु पद रे ने भी द्वीपवासियों को ओणम के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ओणम का त्योहार एकता, सद्भाव, समृद्धि और करुणा और नई आशा लेकर आए।

<><><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिले के लिए कल जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति–दिशा की बैठक, सांसद बिष्णु पद रे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त पूर्वा गर्ग, श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष और दिशा समिति, के सदस्य के रूप में नामित सभी पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य केंद्र सरकार, केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन और स्थानीय निकायों की संबंधित भूमिकाओं को संचालित करने वाले संवैधानिक ढांचे के भीतर विकासात्मक पहलों की निगरानी को मजबूत करना था। इस अवसर पर सांसद ने दक्षिण अंडमान की विकासात्मक प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए प्रशासन के सहयोग के साथ सरकारी योजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन के महत्व पर बल दिया। बैठक के दौरान 18 विभागों की 66 योजनाओं की व्यापक समीक्षा कर सुझाव दिए गए। जिला उपायुक्त, ने सभी संबंधित विभागों को सांसद द्वारा दिए गए सुझावों और कार्रवाई के विवरण के साथ एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, दिशा समिति की अगली समीक्षा बैठक सितंबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए।

<><><><><><><>

पीएम–उषा की जेंडर इंक्लूजन एंड इक्विटी पहल के तहत डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित "युवा के लिए ABCD मॉडल" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का कल समापन हो गया। आईआईटी मद्रास की 'विद्या शक्ति पहल' के तहत आईआईटीएम प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के लगभग साढ़े तीन सौ छात्रों ने भाग लिया। समापन अवसर पर डीब्रेट की प्राचार्या प्रो. सन्मुख कौर ने प्रतिभागियों को डिजिटल शिक्षण संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने और आत्मविश्वास व जिज्ञासा के साथ अपने शैक्षणिक तथा करियर लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम संयोजक, डॉ. श्राबणी मल्लिक ने कार्यक्रम के उद्देश्यों और छात्रों को प्रासंगिक स्टेम, संचार और रोजगार कौशल से लैस करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

<><><><><><><>

'जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज' अभियान के तहत अंडमान लॉ कॉलेज में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अंडमान लॉ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) पी.वी. नागेंद्र शर्मा, जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज की एडीपी एवं नोडल अधिकारी नीरजा गुप्ता, वेव्स ओटीटी के प्रतिनिधि, और सूचना, प्रचार एवं पर्यटन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। छात्रों को संबोधित करते हुए अभियान की नोडल अधिकारी ने उनसे 'जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज' में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने छात्रों को द्वीपसमूह की विशिष्ट कहानियों, परंपराओं, विरासत और उपलब्धियों की खोज करने तथा उन्हें लघु डिजिटल वीडियो के माध्यम से रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज की स्मृति में एक स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

<><><><><><><>

राज्य बाल संरक्षण समिति की ओर से 'लापता बच्चों, देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों तथा कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों के लिए बाल संरक्षण प्रणाली को मजबूत करना – पहचान, देखरेख, संरक्षण, पुनर्वास और पुनर्स्थापना' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल संरक्षण प्रथाओं, चुनौतियों और समय पर हस्तक्षेप व प्रभावी समन्वय के महत्व पर चर्चा की गई।

<><><><><><><>